‘[illegible]-र[illegible]’ [illegible] [illegible]

निराला को प्रौढ़तम लम्बी कविताओं म से एक ‘□□□□-स□□’ □□ □□□□□□ □|□

इस कविता म कवि के व्यक्तिगत जीवन को त्रासदी युवा पुत्री के असमय □त□ □□□□□□□ □□□व के रूप म अभिव्यक्ति पाती है|

इस सन्दभ म डॉ. रामस्वरूप चतुवदी का एक कथन उल्लेखनीय है- “यह कवि को इकलौती बेटी को मृत्यु पर लिखा गया शोक काव्य है, □□न्□□ □ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□| □□□□□□ □□□ □ो □□ □□□□□ □ □□□□□□□ □□□□□□ □□□स□□□□ों को अंकित किया है| □□□□, श्रृं□□ □□ □□□□ □ □□□□□ □□□ □□□□□-बीच म करुणा को अन्तवर्ती धारा □□□□□ प्र□□□□□ □□□□ □□□□ □|”

□□□□□ □□ □□म□ □न्न□□ □□ि□□ सरोज को मृत्यु □□□□□□□ □□स□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □|□□□□□□ □□ □त□□ □□□त्त □□□ □□ □□□□□ग□ हृदय को ले जाते ह □□ □त□□□□□□□□ □□ ‘□□श्व□ □□□□□’ □ो □□□□□□□ □□□ □ि□प्रेक्ष□ □□□□-

□□ि□□ □□ □□ प्र□□ □□□

□□□ □□ □□□□-□□न्□-□□□;

□□□,□□ □□ □क□□□ □रु□

जनक से जन्म को विदा अरुण!

□□□,□□□, □□ रू□-□□□,

□□ □□□□ □□□ □□श्व□ □□□□□

□□□□□ □□□□□ □□□□□

□□□□ □□□ष्ट□□□□ঃ□□□ |

किन्तु अगले ही क्षण [illegible] [illegible] [illegible] व्य[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] प्र[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]!

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

हारता रहा म स्वाथ समर |

[illegible] [illegible] [illegible] क्ष[illegible]ों [illegible] [illegible] [illegible]-

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]क्षे[illegible], [illegible] [illegible]-[illegible]|

निराला को स्मृतियाँ पीछे लौटती [illegible]- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] |इस स्मरण के साथ ही रचनात्मक संघष भी जुड़ा [illegible]|[illegible] [illegible] को वह व्यथ व्यस्तता जुड़ी है जो रचनात्मक जीवन को साथकता प्रदान [illegible] [illegible]-

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]-[illegible]-[illegible] [illegible] [illegible]

सरोज को सुखमय देखने को आकांक्षा और अपनी रचनात्मकता को एक साथक समग्र जीवन देने को आकांक्षा – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आकांक्षा के अंग ह| [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] संघष करते ह|

□□□ क्र□ □ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □|□□□□□□□□ □□□□, □त्री □□ रू□ □□ □□□□ □□□□ि □ष्ट□ □□□□ □|इस सौंदय स्मृति का अथ कुछ और □□ □□ □□□□ □□, जब प्रिय के रूप को स्मृति पुत्री के रूप को स्मृति म □क्र□□□ □□□□□□□□□□ □|□ □□ □ि□□ □□□ □□□□□ □□ प्र□□ □□ नाटकोय दृश्य पर लाता है -

□□ □□□ □□ □ि□व्य □□□

□□□□□ □□ीं □□□□-□□□

□□□ □□□ □प्रे□ □□- स□□

माँ को मधुरिमा व्यंजना □□

‘□□□□□□□’ □ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □क्र□□ ि□□□□□ □|ि□न□□ □□ □□□□□ □ □□□□□□ □□ □□त्र□ □□□□ □ि□□ □□□□□ □□ □□, □□□□ □□□□ □□□□□□□ रू□ विशिष्ट मनःस्थितियों के बीच एक दूसरे म □क्र□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□|

□□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□,□□□□□□□ □□□□ □त्री □□ □□□□□ □□□न□□ □ □न□कुब्जों को नीचता, स□□□□□□□□, □ि□द्र□□ □ि□ □□ □□त्र□ □□□□ □,□□□□□□□□□□ □□□□त्री □□□□□□□ □ □□□□ □स□□□□ीं □□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□–

□□□न□□ब□-□□-□□□□□

□□□□ □त्त□ □ □□ □□

इनके कर कन्या अथ, □□

□□□□□ □□□ □□□□धीरे ट्रैजिक निष्पत्ति को और बढ़ती है| □□ □स□□□ □ □सा लगता है को इससे भिन्न उसको स्थिति नहों है| □□□□□ □□□□ □ ‘□□□□- स□□’ □□ □□□□ □श□ □□□स□□ □□□□ □,□□□ □□□ ‘□□□ □□

□□□□ □ो □□□ □□□, क□□ □हूँ□□ □ □□ □□ों □□□' के अतिरिक्त कुछ भी कहने म असमथ □|□□□ □ □□ □□□□□ो □□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □ो अभिव्यक्ति और क्या हो सकती है| □□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□ □□-□न□□□-□□□ □□□□□□ □□–

□□ □□□ □□ □□ □ज्र□□□

□ि□ □□, □□□□□ □□□ □□□

□□ □□ □□ , □□□□□□ □□□

□ों भ्रष्ट □□□ □□□□□□□

□न□,□□□ □□िं □□ □□□

□□,□□□□ □ □□□ □□□ |

इस प्रकार अपनी रचनात्मकता के विनाश और तपण □ो □च□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□ □□□□ □ो □□□□ □□□□□ □□ प्र□□□ □|□□□□ □ो □त□□ो □□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ – मृत्यु का एहसास या तनाव पूरी कथा म व्याप्त □,□□□□□ □रु□□ □ो अभिव्यक्ति '□□□□-स□□' म अपने चरमतम रूप म मिलती है |